



MENTORSHIP



GENERAL STUDIES (Test-22)

निर्धारित समय: तीन घंटे
Time allowed: Three Hours

DTVE/21 (O-D)-M-GSM (MD) 2122

अधिकतम अंक: 250
Maximum Marks: 250

Name: VIPIN DUBEY Mobile Number: _____
Medium (English/Hindi): HINDI Reg. Number: DVE/MP/2021/60
Center & Date: MUKHERJEE NAGAR UPSC Roll No. (If allotted): 0806953
26/12/2021

प्रश्न-पत्र के लिये विशिष्ट अनुदेश

कृपया प्रश्नों का उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को ध्यानपूर्वक पढ़ें:

इसमें बीस प्रश्न हैं तथा हिन्दी और अंग्रेजी दोनों में छपे हैं।

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

प्रत्येक प्रश्न के अंक उसके सामने दिये गए हैं।

प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहियें जिसका उल्लेख आपके प्रवेश-पत्र में किया गया है, और इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिये। उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिखे गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेगा।

प्रश्नों में शब्द सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिये।

प्रश्न-सह-उत्तर-पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिये।

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

Please read each of the following instruction carefully before attempting questions:

There are TWENTY questions printed both in HINDI and ENGLISH.

All the questions are compulsory.

The number of marks carried by a question is indicated against it.

Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.

Word limit in questions, wherever specified, should be adhered to.

Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

केवल मूल्यांकनकर्ता द्वारा भरा जाए (To be filled by Evaluator only)

Question Number	Marks	Question Number	Marks
1.	3	11.	7
2.	3	12.	7½
3.	3	13.	8½
4.	4½	14.	8½
5.	3	15.	7½
6.	4½	16.	7
7.	3	17.	8
8.	5	18.	7½
9.	4	19.	7½
10.	4	20.	6
Grand Total (सकल योग)		112/250	

Yogesh Singh (606)

मूल्यांकनकर्ता (हस्ताक्षर)

Evaluator (Signature)

पुनरीक्षणकर्ता (हस्ताक्षर)

Reviewer (Signature)

www.drishtias.com

Contact: 8750187501, 8448485517

Feedback

- | | |
|---|--|
| 1. Context Proficiency (संदर्भ दक्षता) | 2. Introduction Proficiency (परिचय दक्षता) |
| 3. Content Proficiency (विषय-वस्तु दक्षता) | 4. Language/Flow (भाषा/प्रवाह) |
| 5. Conclusion Proficiency (निष्कर्ष दक्षता) | 6. Presentation Proficiency (प्रस्तुति दक्षता) |

- संदर्भ दक्षता उत्कृष्ट है।
- विषय-वस्तु की समझ अच्छी है। कुछ उत्तर को दीड़कर प्रायः सभी उत्तर संतुलित हैं।
- उत्तर लिखते समय निष्कर्ष के साथ प्रभावी बनाने का प्रयास कर सकते हैं।
- भूमिका प्रभावी और संक्षिप्त हो इसका ध्यान देते हुए उत्तर लिखने का प्रयास कीजिए।
- आपका प्रयास बहुत अच्छा है। कुछ निर्देशों को ध्यान में रखकर निरंतर उत्तर लिखन अभ्यास द्वारा इसे उत्कृष्ट बना सकते हैं।

1.

जनान्किकीय लाभांश का लाभ उठाने के क्रम में स्वास्थ्य एक सबसे महत्वपूर्ण आधार है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीति 2017 को ध्यान में रखते हुए चर्चा कीजिये। (150 शब्द) 10

In order to realise the benefits of demographic dividend, health is one of the most critical prerequisites. Discuss in light of National Health Policy 2017. (150 words) 10

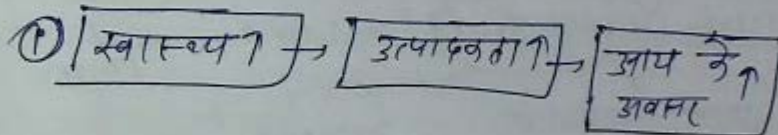
उम्मीदवार को इस
भाग में नहीं लिखना
चाहिये।

(Candidate must not
write on this margin)

वर्तमान समय में भारत की 54%
जनसंख्या 25 वर्ष या उससे कम है जो
दृगी जनसांख्यिकीय लाभांश की ओर
संकेत करती है।

$$\text{जनान्किकीय लाभांश} = \frac{14-59 \text{ वर्ष की आयु}}{(0-14) + 60 \text{ वर्ष से ऊपर}}$$

इसमें स्वास्थ्य की भूमिका



→ निर्दयता में कमी, मानव संसाधन में वृद्धि।

② स्वास्थ्य की अच्छी स्थिति शिक्षा की
उत्पादकता में वृद्धि करेगा

स्वस्थ शरीर में स्वस्थ मस्तिष्क

उम्मीदवार को इस
हासिले में नही लिखने
चाहिये।
(Candidate must not
write on this margin)

प्रयास हीक है।
निरंतर उत्तर
लेखन का
प्रयास
करते रहे।

मातृ स्वास्थ्य उचित होने पर
↳ शिशु मृत्यु दर में कमी
↳ मातृ मृत्यु दर में कमी।
सुपोषण की स्थिति में सुधार

↳ वैश्विक बुजुर्गों की सूचकांक - $\frac{94^{th}}{2019}$ $\frac{101}{2020}$
भारत

राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीति 2017 के अनुसार
वर्ष 2025 तक GDP का 2.5% स्वास्थ्य
पर खर्च होगा

डॉक्टर-
जनसंख्या
अनुपात
1:1456
OOPE = 60%

वर्तमान स्थिति

द्वि-संक्रियी, राष्ट्रीय डिजिटल
हेल्थ मिशन
संक्रियी प्रयास
PMJAY

प्रारम्भिक हेल्थकेयर में
5% में कोई डॉक्टर नहीं

1.5% खर्च
शैक्षिक
प्रसमानता
विश्व - 1 लाख में
एडवेंसि में - 2-3 लाख - 1 लाख में

आगे की राह

सार्वभौमिक स्वास्थ्य नवोदय प्रदान
करना
स्वास्थ्य सेवा का डिजिटलीकरण
निजी क्षेत्र की शोभादायी बढ़ाना

3

2. "प्रथम लोकपाल को नियुक्ति हालाँकि कुछ समय की देरी से हुई, परंतु सरकार की घूसखोरी के विरुद्ध लड़ाई की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।" टिप्पणी कीजिये। (150 शब्द) 10
- "The appointment of the first Lokpal, though delayed, is an important step towards the cause of fighting graft in the government." Comment. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस
हिसाब में नहीं लिखना
पड़िये।
(Candidate must not
write on this margin)

और उम्मीद
श्रमिका के
साथ उतर
लिजने का
पुत्रास कर
सकते हैं।

लोकपाल सरकार के द्वारा नियुक्त
वह अधिकारी होता है जो जनता की
सरकार के विरुद्ध आरोपों जैसे भ्रष्टाचार,
घूसखोरी इत्यादि की जांच करता है।

प्रथम लोकपाल की नियुक्ति पिछले
वर्षों में हुई है हालाँकि इसकी चर्चा
60 से 70 दशक से हो रही है।

सरकार की घूसखोरी से लड़ने
में प्रासंगिकता -

① लोकपाल जनता की शिकायतों की
जांच करता है।

↳ भ्रष्टाचार, भ्रष्टाचारशीलता की
जांच करना।

② अधिकारियों के कार्यों में पारदर्शिता
लाना

↳ प्रश्न पूछकर, समझ जाती रहते।

③ न्यायालय के पास लंबित मामलों में कमी करने

↳ शीघ्र-पाप उपलब्ध करवाना
↳ लोकपाल के पास विशेषज्ञता होगी।

④ RTI, सिप्लिन चार्ट पर प्रभावी निर्णय लैक।

समस्याएँ → प्रधानमंत्री के अनेक कार्य इनके अधिकार क्षेत्र में नहीं आते हैं।

→ स्वयं मिली मामलों की शुरुआत नहीं कर सकते हैं।

↳ केवल शिकायत दर्ज होने पर ही

→ ये मिली शिकायती को दण्डित नहीं कर सकते।
निर्णय निर्णय में समेकितता।

भागों की राह → प्रत्येक विभाग में लोकपाल की नियुक्ति।

↳ जनता में जागरूकता।

↳ समय-समय पर इनके कार्य-क्रियान्वयन का मूल्यांकन।

डिजिटलीकरण को बढ़ावा देकर पारदर्शिता

निर्वाचन के साथ
उत्तर लिखने का
प्रथास कीजिए

3

3. सांस्कृतिक कूटनीति अंतर्राष्ट्रीय सहयोग हेतु एक महत्त्वपूर्ण उपकरण है तथा यह विशेषकर दक्षिण एशिया में प्रासंगिक है। उदाहरणों के साथ बताइये कि कैसे भारत अपने पड़ोसी देशों के साथ संबंधों को सुधारने में सांस्कृतिक सहयोग का लाभ लेने का प्रयास कर रहा है? (150 शब्द) 10

Cultural diplomacy is an important instrument in international co-operation and is of particular relevance in South Asia. Explain with examples how India is trying to leverage cultural associations for improving relations with its neighbors? (150 words) 10

उम्मीदवार को इस
हिसाब में नती लिखना
चाहिये।

(Candidate must not
write on this margin)

सांस्कृतिक कूटनीति से ^{साशय} अपने
सांस्कृतिक पहचान जैसे भाषा, सासा
इतिहास, धर्म आदि के माध्यम पर
अंतर्राष्ट्रीय संबंध को सुधाराता है।

सांस्कृतिक कूटनीति की श्रुतिका
(दक्षिण एशिया में)

① दक्षिण एशिया के देशों का सासा
इतिहास है

↳ एक ऐतिहासिक मूल्य
भारत, बांग्लादेश, पाकिस्तान

② भाषा की स्तर पर

↳ हिन्दी, उर्दू
पाकिस्तान, भारत, बांग्लादेश, नेपाल
श्रीलंका में तमिल, सिन्धी
↳ तमिलनाडु से तमिल

केरल का कल्याणम्
1 ↳ मालदीव

उम्मीदवार को इस
हस्ताक्षर में पूरी विषय
लिखिये।
(Candidate must not
write on this margin)

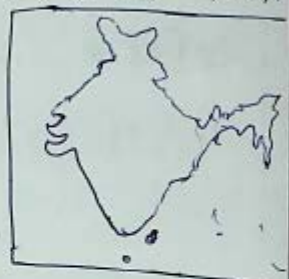
③ रहस्य - सदन

↳ एक ही प्रकार के परिधान,

④ सांस्कृतिक मूल्य

↳ पूर्वोक्त के मूल्य म्यांनार से मिलते हैं

भारत की नीति



प्रथम डीक
हैं और मुच्य
किया जा सकता
है।
विरंत उत्त
लेखन अभ्यास
करते रहें।

① नेपान के साथ च्युली सीमा

↳ रोरी बैरी का दिना

② बांग्लादेश के साथ बासे इतिहास के मूल्यों का संक्षण

↳ श्री जे मुजीबुद्दिन एवं गांधी की शासकिकता।

③ भारत के धार्मिक उत्सवों की वर्णने सिपा तक खंन

↳ राम को सादर
भरत्वपूर्ण सख्योय विकसित

④ भारत शैक्षिक विविधता को संक्षित कर रहा है

शैक्षिक नीति

↳ श्रीलंका के तमित मूल्य
बांग्लादेश के उईना

⑤ भारत की गुजाल की साक्षित नीति के प्रदुहात बन दिशों से सख्योय कया चारण

निर्धारित समय पर
ही उत्तर लिखने
का प्रयास कीजिए



drishti



4.

एक स्वस्थ लोकतंत्र में मजबूत सरकार के समान ही एक स्वस्थ विपक्ष होना भी अति आवश्यक है। विश्लेषित कीजिये।

(150 शब्द) 10

For a healthy democracy, a healthy opposition is as important as a strong government. Analyze.

(150 words) 10

उम्मीदवार को इस
हार्जिन में यह लिखना
चाहिये।

(Candidate must not
write on this margin)

सफल लोकतंत्र के मजबूत
आधार हैं - हास्यमति एवं आलोचना।
यही दो पक्ष विपक्ष के होने की
आवश्यकता की बताते हैं जिससे सरकार
की लानावाही मानसिकता से जनता को
रक्षण मिले। जैसे ब्रिटेन में शेरो
कैबिनेट की व्यवस्था है।

(संज्ञा पक्ष)
~~संज्ञा~~

मजबूत सरकार की आवश्यकता

- मजबूत निर्णय लेने में सहायता
- ↳ 1951 सुधार, तीन त्वाक
- अंतर्राष्ट्रीय संबंधों के सुदृष्टिकर्ण हेतु (एस्ट ईस्ट पॉलिसी)
- शिक्षा एवं स्वास्थ्य पर महत्वपूर्ण फोकस
- ↳ सही शिक्षा नीति, राष्ट्रजान भारत

प्रशास अर्था
हे।
निरंतर
उत्तर लेखन का
अभ्यास
करते रहें।

↳ श्रवसंत्यनात्मक विकास

↳ नैशनल इ-फ्रास्ट्रक्चर पारपलास

स्वस्थ विपक्ष की आवश्यकता

- ↳ सरकार के प्रश्न पूछने के लिए
 - ↳ संसद के प्रश्नकाल
 - ↳ सरकार के कर्षों का स्वतंत्र मूल्यांकन।
 - ↳ जनता को सरकार की विफलता का ज्ञान कराने में।
 - ↳ भारत की एकता, शक्यता एवं संप्रभुता पुनिश्चित करने में
 - ↳ **रॉफेल मुद्दे पर** सरकार
 - ↳ अन्य संस्थाओं की स्वतंत्रता पुनिश्चित करना
 - ↳ निवान्यत त्रायोग, कित्त त्रायोग।
- अतः लोकतंत्र की सफलता एवं मजबूती में सरकार एवं विपक्ष दो महत्वपूर्ण खलम है।

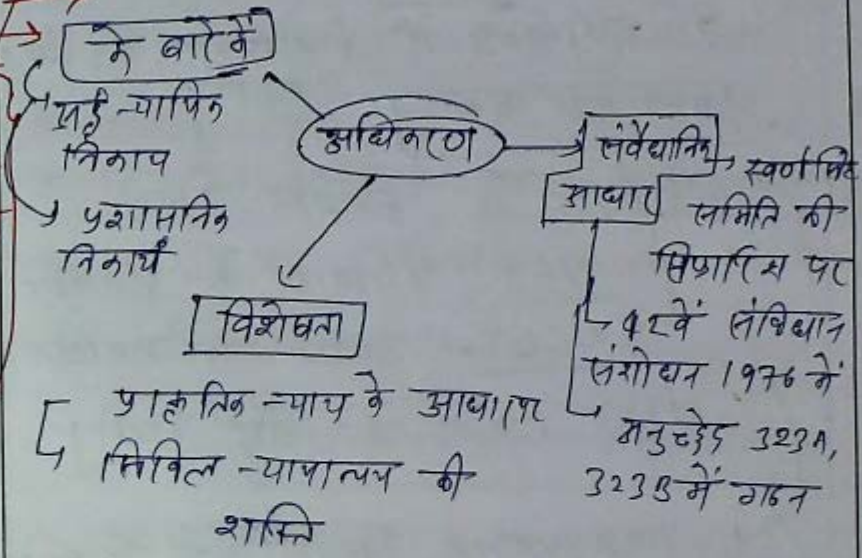
मह

5. सभी अधिकरणों को एक सर्वसमावेशी निकाय के अंतर्गत लाने से उनके कुशल कार्यकरण को सुनिश्चित करने और अर्ध-न्यायिक निकायों के कार्यकरण को सुव्यवस्थित करने में काफी सहयोग मिलेगा। आलोचनात्मक टिप्पणी करें। (150 शब्द) 10

उम्मीदवार को इस हार्जिन में पढ़ी लिखनी चाहिए।
(Candidate must not write on the margin)

Bringing all tribunals under one umbrella body will go a long way in ensuring their efficient functioning and streamlining the working of quasi-judicial bodies. Critically comment. (150 words) 10

संक्षिप्त एवं प्रभावी भूमिका के साथ उत्तर लिखने का प्रयास कीजिए



वर्तमान में अधिकरणों को समाप्त कर उन्हें अन्य अर्ध-न्यायिक निकायों में प्रवर्तित किया जाएगा है (सकारात्मक)

→ दिल्ली की नयी
 ↳ वर्तमान में CAT में 27 सदस्य लगता है 64 की है
 → कुछ अधिकरण ऐसे हैं जहाँ गिने

प्रयास ठीक
है।
मॉडल उत्तर
की मदद से
और प्रभावी
उत्तर लिखने
का प्रयास
कर सकते
हैं।

चुने जायें हैं।

- श्राधिकरणों में श्राधिकार
 - ↳ सम-वय का अभाव
- श्राधिकरणों में श्रेणाधिकार को लेकर
नकारात्मक पक्ष

विशेषज्ञता से समझौता होगा

- ↳ NAT पर्यवेक्षण से संबंधित।
- ↳ NCLT - उद्योग से संबंधित।

लंबित मामलों में वृद्धि होगी।

सर्वसाधारण विकास नहीं हुआ है।

डिजिटलीकरण का प्रभावी उपयोग नहीं।

भाग्य शीराह एन. चन्द्रकुमार काश
भारत संबंध में न्यायालय ने कहा था कि
एक राष्ट्रीय श्राधिकरण आयोग के
गठन की जरूरत है जिससे सभी
श्राधिकरणों में सम-वय किया जा सके।

3

6. दबाव समूह किस तरह राजनीति पर प्रभाव डालते हैं? क्या उनका प्रभाव लोकतंत्र में स्वास्थ्यकर होता है? स्पष्ट कीजिये। (150 शब्द) 10
- In what ways do pressure groups exert influence on politics? Is their influence healthy in democracy? (150 words) 10

उम्मीदवार को इस
हदिये में नहीं लिखना
चाहिये।

(Candidate must not
write on this margin)

दबाव समूह से आशय ऐसे
समूह हैं जो अपने हितों को
साधने के लिए सरकार पर दबाव
बनाते हैं। जैसे - वार मॉबिल ऑफ़
इंडिया द्वारा प्रदूषितवाहियों के हितों
की रक्षा करना।

राजनीति पर प्रभाव

→ राजनीतियों पर दबाव डालकर उन्हें
अपनी बातें बनवाना

↳ ऐसोर्नेम एवं फ़िन्की द्वारा

सरकार के विरुद्ध प्रचार-प्रसार करना

राजनीतिक दलों को चन्दा देना

टी.बी., रेडियो के माध्यम से सरकार
की मालोचना।

✓ धार्मिक समूह एवं जातीय समूह द्वारा



drishti



हमनी मांगों के लिए प्रदर्शन

↳ जाट आंदोलन
↳ पटेल आंदोलन } आरक्षण हेतु

लोकतंत्र पर प्रभाव

लकारात्मक

→ राष्ट्रसंघर्षक वर्गों के हितों के अनुकूल मांग करना।

→ संविधान के अनुच्छेद 19(1)(c), 43(D) के अनुकूल

→ लोकतांत्रिक मूल्यों की तृणमूल स्तर तक पहुंच।

→ अजातीय संस्कृति का रक्षण -> बोडो की मांग, सूची मांग

नकारात्मक

→ धार्मिक एवं जातीय धुकीकरण

→ धार्मिकों के प्रदर्शन से शर्षव्यवस्था को व्यापक क्षति

→ कभी-कभी अवलंब्यात्मक परिसंयति को गहन गुरुत्वात्

↳ बस-जताना, सड़क, रेल लोड जेड

मत: दबाव समूह को व्यावसायिक स्तर पर ही संघर्ष करना चाहिए, जाति, धर्म एवं शैक्षणिक से नहीं बंधना चाहिए।

42

www.drishtias.com

Contact: 8750187501, 8448485517

Copyright - Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को प्रश्न पत्र में नही लिखना चाहिए।
(Candidate must not write on this page)

प्रधान सहायनीय है। निरंतर उत्तर लिखने का अभ्यास करते रहें।

7.

क्या भारतीय संविधान का अनुच्छेद-30 अन्य को अल्पसंख्यक संस्थानों को विनियमित करने से प्रतिबंधित करता है? परीक्षण कीजिये।

(150 शब्द) 10

उम्मीदवार को इस
हार्डवेयर से नहीं लिखना
चाहिये।

Does Article-30 of the Indian Constitution prevent the State from regulating minority institutions? Examine.

(150 words) 10

(Candidate must not
write on this margin)

भारतीय संविधान के अनुच्छेद-30 में भाषायी एवं धार्मिक अल्पसंख्यकों के शिक्षण संस्थानों के विनियमन हेतु संबंधित समूह को अधिकार प्रदान किया गया है।

हाँ प्रतिबंधित करता है।

→ प्रत्येक वर्ग को अपनी भाषा, लिपि एवं संस्कृति के संरक्षण हेतु संस्थान बनाने का अधिकार है।

एक धर्मनिरपेक्ष राज्य द्वारा धार्मिक मामलों में हस्तक्षेप नहीं किया जाना चाहिए।

→ प्रत्येक वर्ग को मानने वाली चीज़ों को सांस्कृतिक विरासत का मान देना (बैचिडिन होना) चाहिए।

→ भारतीय विविधता के संरक्षण हेतु।

हालांकि लकार समे हस्तक्षेप क
नकत है

पुमास अरुदा
है। निरंतर
उत्तर लेखन
का अभ्यास
करते रहें।

① संस्थानों के आधुनिकीकरण हेतु

- ↳ वर्तमान की माँग के अनुरूप शिक्षा
- ↳ लैंगिक समानता स्थापित करना
 - ↳ महिलाओं, डॉक्टरों, इंजिनियरों, डिप्लॉमों का प्रवेश।

② जो हालसंघर्ष वर्तमान में गुच्छधारा में नहीं हैं, उन्हे सकारात्मक हस्तक्षेप की आवश्यकता है

- ↳ धन की आवश्यकता
- ↳ प्रबंधन में लरकाली सुझाव
- ↳ नवीन पाठ्यक्रम

~~सकारात्मक हस्तक्षेप~~

सकाराली प्रयास

नयी शिक्षा नीति - 2020
15 सूत्रीय कार्यक्रम
प्रधानमंत्री जन विकास कार्यक्रम

हागे की तरह

↳ संस्थानों की पारंपरिक पहचान + नवीन शूलों का समावेश
वर्तमान डिजिटलीकरण, वैसाभिक शिक्षा से सुझाव

गोवर्ध के साथ
उत्तर समाप्त
कलम का प्रयास
कीजिए

3 1/2

8. परिसीमन क्या है और इसकी आवश्यकता क्यों है? पूर्वोत्तर में परिसीमन के कदम के बारे में सवाल क्यों उठाए गए हैं? (150 शब्द) 10

उम्मीदवार को इस
इतिहास में नहीं लिखना
पारितोषिक।

What is delimitation and why is it needed? Why questions have been raised about the move for delimitation in the Northeast? (150 words) 10

(Candidate must not
write in this margin)

परिसीमन से माझय चुनाव क्षेत्रों के निर्धारण से है। जैसे किसी राज्य में किस अनुपात में लोकसभा एवं विधानसभा में सीटों का बँटवारा होगा एवं क्षेत्र विभेध की बाउन्डी क्या होगी

आवश्यकता

जनसंख्या के बढ़ने के साथ परिसीमन की आवश्यकता

↳ वर्तमान परिसीमन 1971 की जनगणना के अनुरूप है। (85वां संतोष्य 2001 के आउटपुट) के

दक्षिण एवं उत्तर भारत के राज्यों में जनसंख्या वितरण के अनुरूप लोकसभा एवं राज्यसभा में प्रतिनिधित्व नहीं।

↳ 1971 की जनगणना के अनुरूप निर्धारण करने के कारण।

भूखंड में परिसीमन के कदम पर सवाल

भूजारीय पहचान संबंधी मुद्दे

- ↳ इंडो, नागा, बोडो,
- मेतेवी वी, कपरी -
- कपरी गांगो।



भौगोलिक समानता संबंधी मुद्दे

- ↳ घाटी बनाम पर्वतीय
- ↳ सीतों का वन्यचित्त बँवारा
- ↳ यह कालोप लग रहा है

इसके पूर्वी राज्यों में पड़ोसी देशों के प्रवासन

- ↳ असम में बांग्लादेश के।

विपक्ष का आरोप कि सरकार ने परिसीमन का राजनीतिकरण किया है।

कर्तमान की आवश्यकता है कि 2011 की जनसंख्या के अनुसार परिसीमन किया जाए जिससे लोकसभा में सत्ता की तावाज संजद कर समान रूप से पहुँच सकें।

5

सराहनीय
पुस्तक
किंगड उल
लिजने का
काम करते
रहे।

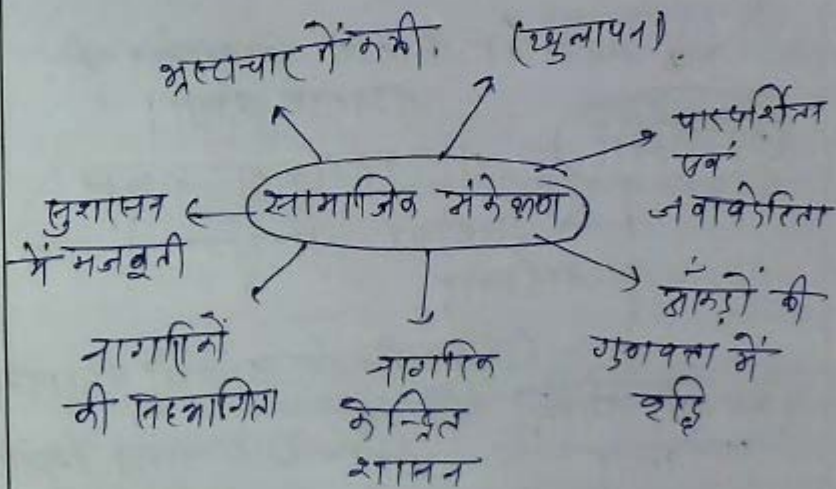
9.

स्थानीय स्वशासन के सभी स्तरों पर सामाजिक अंकेक्षण को एक प्रभावी प्रणाली इन संस्थानों में जवाबदेही और पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिये महत्वपूर्ण है। चर्चा करें। (150 शब्द) 10

An effective system of social audit at all levels of local self-government is critical to ensure accountability and transparency in these institutions. Discuss. (150 words) 10

उम्मीदवार को इन हस्तियों में नहीं लिखना चाहिए।
(Candidate must not write on this margin)

सामाजिक अंकेक्षण एक ऐसी प्रक्रिया है जिसमें जनता संबंधित पदाधिकारी से प्रश्न पूछती है एवं विभिन्न योजनाओं में व्यय किये गए धन का विस्तृत ब्यौता प्राप्त करती है।



विगत कुछ वर्षों में स्थानीय स्वशासन में मनरेगा जैसे योजनाओं में व्यापक अस्वाचार देखा गया है ऐसे में सामाजिक अंकेक्षण की प्राथमिकता बढ़ गयी है।

प्रभाव बहुत
अच्छा है।
गिरत उत्तर
लेखन अभ्यास
करते रहे।

जनता के पश्च पूछने का जन प्रतिनि
धियों पर दबाव।
धन का प्रभावी उपयोग।
पारदर्शिता, जवाबदेहिता में वृद्धि
→ जनता की सहभागिता से
→ जनता प्रत्येक कार्य का
हिस्सा बनेगी।

→ जनता को सार्वी प्रेरणाओं की
जागरूकी होगी।

युनैतियाँ

→ जागरूकता का दबाव
→ ग्रामीण संख्यना में व्याप्त
जातिवाद

सार्वी प्रभाव

→ डिजिटलीकरण संबंधी असमानता
वारं वरुंड ग्राम सभा ईशबोर्ड
→ आदर्श ग्राम पंचायत सिटिजन
- चार्ट प्रभावक।

भाग की पह

→ जनजागरूकता
→ प्रतिक्रियाओं को प्रतीक्षण।
→ डिजिटलीकरण, DBT को बढ़ावा

संक्षिप्त व प्रभावी
निर्वाक के साथ
उत्तर समाप्त करने
का प्रभाव
की जिहे

4

10. राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग अधिदेश क्या है? अपने कर्तव्यों को पूरा करने के क्रम में इसे किन मुद्दों का सामना करना पड़ता है? (140 शब्द) 10

What is the mandate of the National Commission for Minorities? What are the issues faced by it in performing its duties? (150 words) 10

उम्मीदवार को इन
हद्दियों में नहीं लिखना
पड़िये।

(Candidate must not
write on this margin)

राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग एक
लांबिकिक निकाय है जिसका गठन 1992
में किया गया था।

राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग अधिदेश

→ अल्पसंख्यकों के अधिकारों की रक्षा
करना

→ सरकार को योजना निर्माण में
अल्पसंख्यकों के इच्छिकोण संबन्धी
सुझाव ।

→ मॉब लिचिंग जैसे मुद्दों पर सहानु
भूति उठाना

→ दीवानी-याचालप की शक्ति का
उपयोग करना ।

मुद्दे

① कार्यबल की कमी।

पुस्तक की
दो ओर
उत्कृष्ट उत्तर
लिखने के
लिए निरंतर
उत्तर लेखन
का अभ्यास
करते रहें

- ② राज्य श्रमयोगों से क्षेत्राधिकार खराब संबंधी मुद्दे
 - ↳ राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग
 - ↳ राष्ट्रीय महिला आयोग।
- ③ दण्ड देने का अधिकार नहीं।
- ④ दल्पसंघकों को स्वयं रस आयोग की जानकारी नहीं।
- ⑤ वित्त की कमी।

भविष्य की रणनीति

- पर्याप्त वित्त की व्यवस्था।
- दल्पसंघकों को आयोग के बारे में जागरूकता।
- एक कमीशन का गठन
 - ↳ जो रस आयोग में सुधार के सुझाव दे।
- आयोग में समवे शिता
 - ↳ महिलाएं, ट्रांसजेंडर, दिव्यांग।

21

11.

स्व सहायता समूह (एस.एच.जी.) एक समावेशी विकास एजेंडे के संदर्भ में कैसे प्रासंगिक हैं? साथ ही, महिला सशक्तिकरण में स्व सहायता समूहों की भूमिका की चर्चा कीजिये। (250 शब्द) 10

How are Self Help Groups (SHGs) relevant in the context of an inclusive developmental agenda? Also, discuss the role of SHGs in women empowerment. (250 words) 10

उम्मीदवार को इस
हार्गिच में नहीं लिखना
पढ़िये।
(Candidate must not
write on this margin)

स्वयं सहायता समूह (SHGs) से
आशय ऐसे समूह हैं जो अपने
आर्थिक हितों एवं लक्ष्यों की प्राप्ति हेतु
निर्मित होते हैं। इनमें 15-20 लोगों
का समूह होता है जो सामाजिक
आधार से संबन्धित होते हैं।

स्वयं सहायता आधार } कुटुम्ब-4(A)
} कुटुम्ब-13(B)(C)

समावेशी विकास में भूमिका

① सामाजिक सशक्तिकरण में

→ विभिन्न समुदाय के लोगों के
समूह के रूप में उदय होता है।
→ ट्रांसजेण्डर, दिव्यांगों, महिलाओं
के सशक्तिकरण में

उदाहरण - कुटुम्ब भूरी - महिलाओं को

समाज की मुद्दय्याओं में लाने का प्रयास कर रही हैं।

① **नाज फाउंडेशन**

↳ ट्रांसजेण्ड के अधिकारों के लिए कार्य कर रही हैं।

② **आर्थिक स्वशक्तिता**

Job seekers से Job suppliers की श्रमिकाओं

→ महिलाएं सुई-धागा, पापड़, आदि उद्योगों में कार्यरत।

→ ग्रामीण व्यक्ति **वालीन उद्योग** में कार्यरत
विशेषतः मपेरी (MP)

→ खाद्य प्रसंस्करण, पशुपालन में संलग्नता, मत्स्यपालन को बढ़ावा

→ आदिवासी समूह + मानव कॉरेल्ट प्रोजेक्ट के साथ + आर्थिक स्वशक्तिता

महिला स्वशक्तिता में श्रमिका

↳ **स्वाशक्तिता** जैसे संगठन →

उम्मीदवार को एक हफ्ते में नोट लिखना चाहिए।
(Candidate must write on this margin)

महिला अधिकारों के बारे में जागरूकता

प्रशासक महोदय
के
बिनांतर उत्तर
लेखन का
अभ्यास
करते रहें।

अक्षरा संगठन

→ महिलाओं को कौशल
प्रशिक्षण।

महिला वार्षिक विकास महामण्डल (महाराष्ट्र)

↳ वार्षिक लक्ष्यकाल में शुद्धि

→ महिलाओं को विनीय रूप से लक्ष्य
काल, प्रेरण उपदान करना।

युनेस्को

- प्रेरण की उपलब्धता।
- 2014 में लोकसंगठन का
सहाय।
- सार्वजनिक क्षेत्रों की
जानकारी का अभाव
- बड़े कंपनियों से उत्पादों की
प्रतिलिपि

सार्वजनिक क्षेत्र

- ↳ 2014 बैंक लिंकज प्रोग्राम।
- ↳ Gem से जुड़ाव।
- ↳ स्थान रूप रणिया, मुद्रा योजना।

शिक्षण की योजना

- कौशल प्रशिक्षण।
- ↳ एक जिला एक उत्पाद से जुड़ाव।
- किस तक सार्वजनिक पहुँच।

प्रशासक महोदय
के साथ उत्तर
समाप्त करने
का प्रयास
की जाए।

7

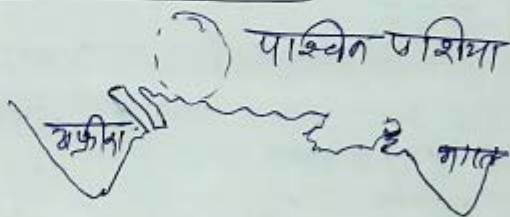
12. पश्चिम एशिया में भारत की बड़ी मौजूदगी के बावजूद, भारत और इस क्षेत्र के मध्य संबंध अभी भी उपेक्षित हैं। विश्लेषित कीजिये। (250 शब्द) 15

Despite India's huge stake in West Asia, the relations between India and the region remains under-appreciated. Analyze. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस
प्रश्न में नई लिखा
चाहिये।
(Candidate must be
write on this margin)

पश्चिम एशिया में जुड़ाव के
लिए भारत सरकार द्वारा **चिन वेस्ट**
नीति चलायी जा रही है जिससे
ऊर्जा, प्रवासी एवं बर्धव्यवस्थापना क्षेत्र
में पश्चिम एशिया का सुदृढ़ जुड़ाव
हो सके।

भारत की मौजूदगी



- ① इजरायल से लेकर कतर (कैतान) एवं
ओमैनिया के साथ संबंध सुदृढ़ हैं
↳ इजरायल के साथ रक्षा व्यापार
बाधित हो रहा है।

- ② सउदी अरब, UAE, कुवैत आदि क्षेत्रों

ये भारत की ऊर्जा जफते पूरी हो रही है।

उम्मीदवार को इस
मार्गदर्शक में नहीं लिखना
चाहिये।

(Candidate must not
write on this margin)

③ वन क्षेत्रों में व्यापक रूप से भारत के लोगों की मौजूदगी है

↳ प्रवासी रूप से विप्रेषण का बड़ा स्रोत प्राप्त होता है

④ हाल ही में लाभनिचा एवं अजर्केषार के संघर्ष को निपटारे में भारतीय प्रक्रिया प्रगतिशील रही है।

यूरोपियाँ

चीन के BRIC का बढ़ता प्रभाव।

एकी

एवं पाकिस्तान का गठनोड़।

↳ धर्म के आधार पर।

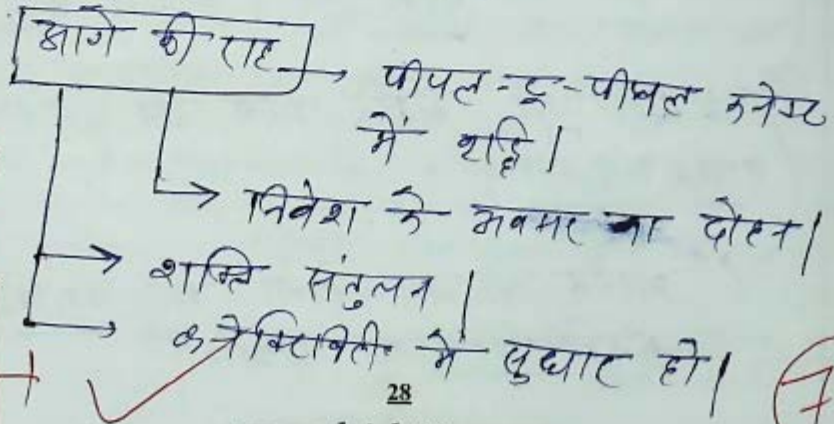
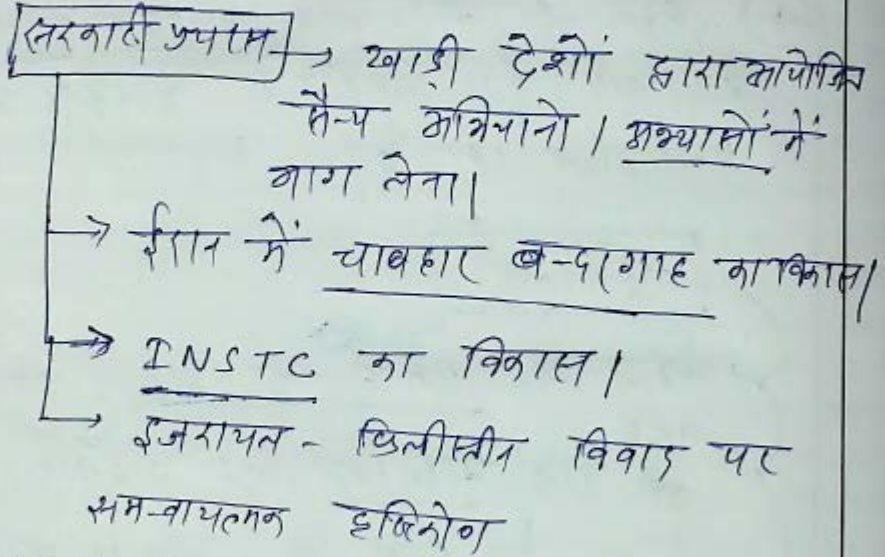
इजरायल, सऊदी अरब एवं ईरान में शास्त्रि संतुलन।

भारत की वन क्षेत्रों से प्रवासी अमेरिका की मजदूरी का प्रभाव।

उम्मीदवा को इन
इतिहास में नहीं लिख
करिये।
(Candidate must not
write on this margin)

- पश्चिम एशिया में बढ़ता कट्टरवाद
 - ↳ IS की उपस्थिति।
 - अफगानिस्तान में व्याप्त अशांति।
 - निवेश, व्यापार में बाधक
सामेदायी नहीं।

प्रयास बहुत
है। उत्तर
लिबन शैली
प्रकाश है।
निरंतर
उत्तर लिबन
का अभ्यास
करते रहें।



प्रकाश निवर्ध
के साथ उत्तर
लिबन का
प्रयास कीजिए

7 1/2

13. भारतीय संसद की कार्यवाहियों, उत्पादकता तथा प्रतिनिधि मूलक चरित्र का समालोचनात्मक मूल्यांकन कीजिये।
(250 शब्द) 15

Critically evaluate the proceedings, productivity and the representative character of the Indian parliament.
(250 words) 15

उम्मीदवार को इस
शर्तिले में नहीं लिखना
चाहिये।

(Candidate must not
write in this margin)

देश के विकास की रूपरेखा तैयार करने में भारतीय संसद का महत्वपूर्ण योगदान है। ऐसे में संसद के प्रतिनिधि कार्यवाही ही इस महत्व का सकारात्मक साधन बन सकते हैं।

संसद की कार्यवाहियाँ

सकारात्मक पक्ष

→ बजट सत्र, मानसून सत्र एवं शीतकालीन सत्र का आयोजन

- 1. महत्वपूर्ण विधेयकों को पारित करना,
- 2. जनता की आकांक्षाओं के अनुरूप कानून बनाना।
- 3. लोक हित में पब्लिक फंड का उपयोग करना।

सकारात्मक पक्ष

4. संसद की कार्यवाहियों में

- प्रतिनिधियों की अनुपस्थिति
- ↳ संवाद का गिरता स्तर
 - ↳ सांगठनिक वाद विवाद नहीं।
 - ↳ दल-बदल की बढ़ती संभावनाएँ।

उत्पादकता की वर्धमान स्थिति

- सकारात्मक** → विधेयकों को पारित करना।
- ↳ विभिन्न निकायों को धन आवंटित करना।
 - ↳ कोविड के दौरान विभिन्न योजनाओं में वित्तीय खर्च को बढ़ाना
 - ↳ कोविड मनोरेगा।

नकारात्मक

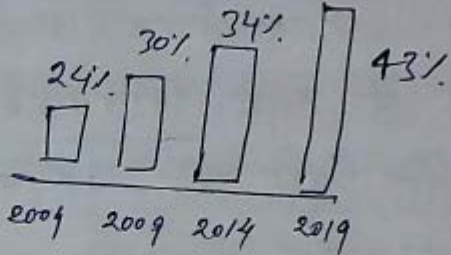
- ↳ संसदीय संवैधाना प्रणाली नहीं वाद विवाद,
 - ↳ संसदीय समितियाँ प्रश्न पूछना
 - ↳ 16वीं
- | | |
|-------------|----------|
| LSA → 71% | LS = 77% |
| 16वीं → 27% | RS = 47% |
- विधेयको पार प्रणाली बहल नहीं।

उम्मीदवार को इस
इतिषय में गती लिखना
चाहिये।
(Candidate must not
write on this margin)

प्रतिनिधि मुक्त चरित्र

प्रवास कराधनीय
है।
निरंतर
उत्तर लेखन का
अभ्यास करते
रहें।

बढ़ता राजनीतिक अपराधीकरण



दल-बदल की समस्या बढ़ रही है

महिलाओं, ट्रांसजेंडरों, हिजाबों की
भागीदारी घट रही है

सुझाव

कार्गिलियों की संख्या का निर्धारण

LS - 120

RS - 100

वर्चुअल + शैक्षिक बैंकें प्रायोजित हों

राजनीतिक अपराधीकरण पर रोक

वार्षिक बजट का निर्धारण

उदाहरण - UK, आस्ट्रेलिया।

प्रभावी निष्कर्ष
के साथ उत्तर
लिखने का
प्रवास
कीजिए

8 1/2



... (250 words) 15
 ... the objectives behind setting up of the Press Council of India. Also discuss the
 ... of the Press Council of India. (250 words) 15

Candidate must write on this margin

भारतीय प्रेस परिषद (PCI)
 प्रेस के लिए विनिर्वाहकीय संस्था है
 जिससे प्रेस की स्वतंत्रता सुनिश्चित
 करते हुए भारत की एकता, वृद्धि तथा
 एवं संपन्नता बनायी रखी जा सके।

PCI के उद्देश्य

- फेक-न्यूज को रोकना।
- हेट स्पीच को बढ़ने से रोकना।
- प्रेस में सकारात्मक प्रतिस्पर्धा बनाए रखना।
- राष्ट्र की सुरक्षा में प्रेस का योगदान सुनिश्चित करना।
- प्रेस की शान्तिपूर्णता की सुरक्षा सुनिश्चित करना

इंडियन जर्नलिस्ट-प्रोफेशनल क्लब
भारत संघ-1985 के अनुसूचि।

उम्मीदवार को इस
मार्ग में वही लिखना
पड़िये।

(Candidate must not
write on this margin)

PCI की शक्तियाँ

→ यह ठानुचित एवं हेतु कन्टेक्ट
घापने वाले प्रेस मालिकों को समन
का सकती है।

→ प्रेस संस्था को प्रमाण पत्र एवं
लाइसेंस देता।

→ यह जांच करना कि इन संस्थाओं
में कोई वित्तीय कार्रवाई तो नहीं
हो रहा है।

→ प्रेस का लाइसेंस रद्द करना।

→ ठानुचित व्यापार रोकना।

PCI के कार्य

→ नागरिकों तक सही सूचना पहुँचाने
की जिम्मेदारी

प्रयास बहुत
अच्छा है।
निरंतर उत्तर
लेखन का अभ्यास
करते रहें।

- प्रेस में मिली की संख्या का एकाधिकार रोकना।
- प्रेस-यून की संख्या का निराकरण
- प्रेस के लिए नीति संहिता का निर्माण करना।
- दशवीन साहित्य तक बच्चों की पहुँच रोकना।
- धार्मिक, जातीय पत्रकारिता पर रोक।

सकाई प्रयास → IT कल्प - 2021
→ जैलरशिष्य पत्र

→ चलाचित्र मच्छिण - 2021
डागे गीराट → प्रेस को लोकतंत्र के जैसे समझ के रूप में मजबूर किया जाना चाहिए जिससे लोकतंत्र को मजबूती मिले।

8½

उम्मीदवार को इस
हाथीप में नहीं लिखना
एवम्
(Candidate must not
write on this margin)

15.

राष्ट्रीय महिला आयोग को दिये गए निम्न दर्जे के परिणामस्वरूप नौकरशाही के साथ इसकी शक्तियों एवं दायित्वों के निर्वहन में एक विषम संबंध बन गया है। चर्चा कीजिये।

(250 शब्द) 15

The lower status accorded to the National Commission for Women has resulted in an anomalous relationship with the bureaucracy in its exercise of powers and functions. Discuss.

(250 words) 15.

उम्मीदवार को इस दृष्टिकोण में नहीं लिखना चाहिए।

(Candidate must not write on this margin)

राष्ट्रीय महिला आयोग एक
सांविधिक निकाय है जिसकी स्थापना 1992
में हुई थी। वर्तमान में मुख्यतः
इस आयोग की नौकरशाही से उत्पन्न
टक्काप है।

कारण

① शक्तियों का उचित बँटवारा नहीं
↳ NWOC के कार्य परिभाषित नहीं है

② इस आयोग को वास्तविक शक्ति
प्राप्त नहीं है।

↳ केवल दिवानी-पाठालय की

③ नौकरशाही वर्ग इस आयोग को
गंभीरता से नहीं लेते हैं।

↳ इन्फ्लेक्शन फ्री में शिक्षण करने

प्राप्त की सम्भान नहीं है।³⁵

(A) राष्ट्रीय महिला आयोग के पास
प्राधिकृत नॉन-बजट एवं वित्तीय
सहाय की व्यवस्था है।

(B) उचित ऋणित्व के परिणामित न
होने के कारण नौकरशाह वर्ग द्वारा
बपने ऋणित्व वाली व्याख्या की
जाती है।

वर्तमान स्थिति

राष्ट्रीय महिला आयोग द्वारा
इतिहासियों को समन किया जाना

↳ हाथेल रैप काण में।

आध्यात्म में नौकरशाहों के कार्य
की गंभीरता को उभारना।

डिजिटलीकरण के उकावी उपयोग
↳ इन्वना प्रनाहित कले में

↳ नौकरशाह वर्ग की पारदर्शिता बढ़ाने में।

↳ महिलाओं से संबंधित योजनाओं में सरकार को राय-मशविरा देना

ज्ञान की राह

↳ समग्रिकी विकास में NWC की भूमिका महत्वपूर्ण है।

→ विधिवत इसकी शक्तियों एवं दायित्व का निर्धारण।

→ नौकरशाह वर्ग की जवाबदेहिता सुनिश्चित करना।

उम्मीदवार को इस
हाथों में ही लिखना
चाहिये।
(Candidate must not
write on this margin)

प्रयास बहुत
अच्छा है।
किंतु
उत्तर लेखन
का अभ्यास
करते रहें।

पुनरावृत्ति
निर्वाह के साथ
उत्तर लेखन का
प्रयास कीजिए

7/2

16.

भारत में शहरी प्रशासन में व्याप्त चुनौतियों पर प्रकाश डालें। आप देश में शहरी प्रशासन को बेहतर करने हेतु क्या सुझाव देंगे? (250 शब्द) 15

Highlight the key challenges plaguing urban governance in India. What strategies will you suggest to improve urban governance in the country? (250 words) 15

उम्मीदवार को इस
हाथिपे में शही निशान
प्राप्त हो।

(Candidate must not
write on this margin)

नए संविधान संशोधन द्वारा
शहरी प्रशासन में डिजिटल एव
कहागिता की नींव का रोपण हुआ।

शहरी प्रशासन में व्याप्त चुनौतियाँ

① संसाधन
अभाव चुनौती - नए संशोधन
के माध्यम शहरी प्रशासन को 18 विषय
दिये जाने थे
↳ किंतु कभी भी नहीं दिये गए हैं

→ मिलीय निर्माता स्वतः कर नहीं लगा
राज्य के रूप सकते हैं।
योजनाओं का प्रभावी
रूपान्वयन नहीं हो पाता है

② अवसंन्यातात्मक चुनौती → सड़क, परिवहन,
रेलवे, वी.आर.ए. आवास का डि

का विकास माँग अनुरूप नहीं।

- ③ सामाजिक चुनौती → वेश्यावृत्ति का बढ़ना
- ड्रग्स का अधिक प्रयोग
 - एसिड गैरक जैसी उपद्वियों का बढ़ना।
 - मलिन बस्तियों की अदिकता
 - आत्महत्या के बढ़ते मामले।
 - तलाक नैसी समस्याएं बढ़ रही हैं।

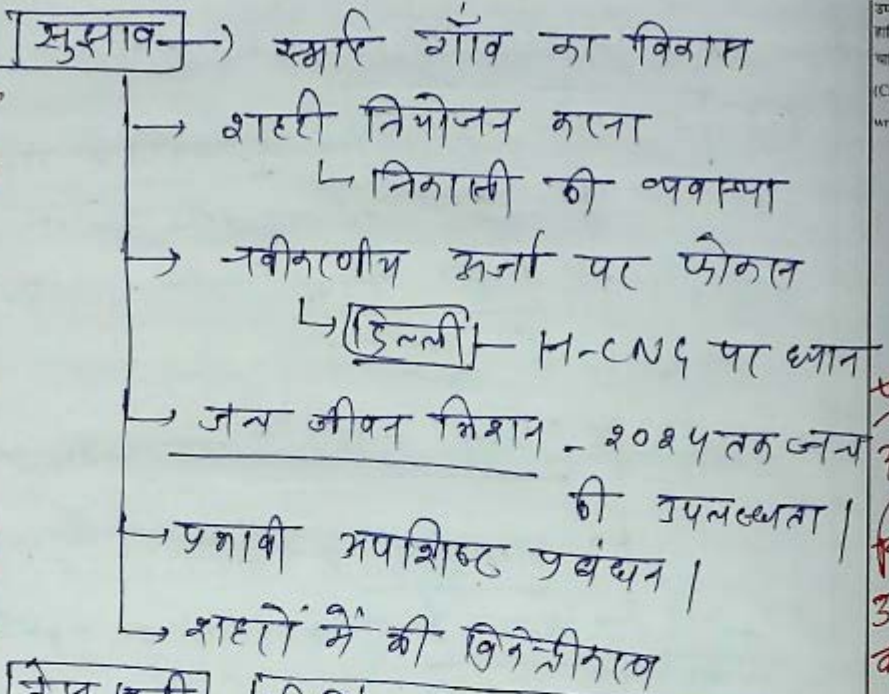
- ④ पर्यावरणीय चुनौती → नगरीय अछा लीप
- दिल्ली, चेन्नई में शहरी बाढ
 - दिल्ली का वायु प्रदूषण
 - ग्रान्य - जल की उपलब्धता

यही कारण है कि ग्लोबल लिवेबिलिटी इंडेक्स में नई दिल्ली - 118, मुम्बई - 119 स्थान पर है

उम्मीदवार को इस
इतिषरे में नहीं लिखना
चाहिये।
(Candidate must not
write on this margin)

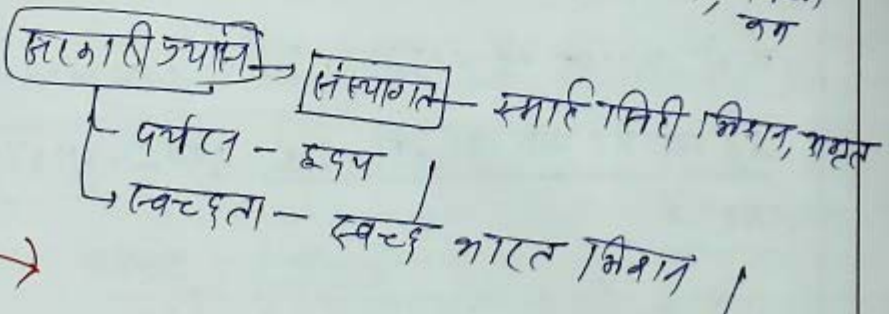
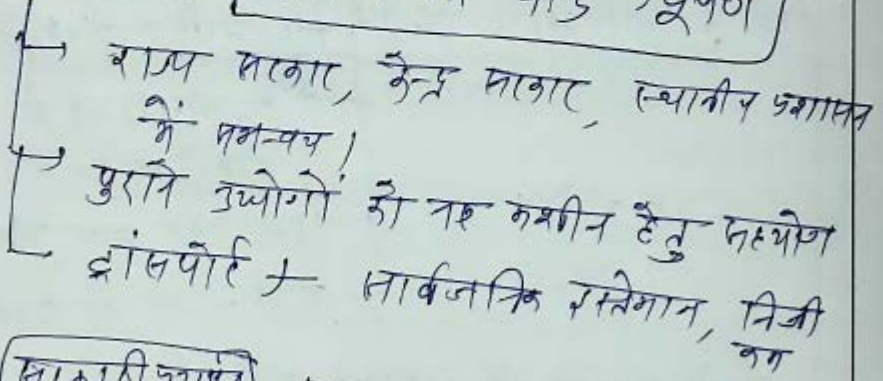
उम्मीदवार को इस
हालिक में नहीं लिखना
पड़ित।
(Candidate must not
write on this margin)

↓
जन जागीदारी
शहरी अव्यवस्था
का लोभ
संख्याओं को
मजबूत बनाना
शहरी
↓
उम बिदुओं को
श्री सम्मिलित कर
उत्तर लिखने
का प्रयास
कीजिए



प्रयास
अच्छा है
किरंत
उत्तर लिखने
का प्रयास
करते रहें।

वेत ल्टी **कीजिंग का वापु इद्रुषण**



निवृत्त
→

7

17.

राजनीतिक वित्तपोषण में पारदर्शिता लाने हेतु, चुनावी बॉण्ड प्रणाली की प्रभावशीलता का गभीरता से मूल्यांकन करें।

(250 शब्द) 15

Critically evaluate the efficacy of the system of electoral bonds in bringing transparency in political funding

(250 words) 15

उम्मीदवार को इस
साथ में नहीं लिखना
चाहिये।

(Candidate must not
write on this margin)

राजनीतिक वित्तपोषण हेतु
-चुनावी बॉण्ड की शुरुआत की गयी
है जिससे वित्तपोषण में व्याप्त
अनिश्चितता दूर की जा सके।

प्रभावशीलता

सकारात्मक

→ अब चुनावी बॉण्ड के
द्वारा कुवैद्य रूप से धन नहीं
दिया जायगा।

→ सभी राजनीतिक दलों को वित्तपोषण
हेतु 5000 को प्राप्त चेंक से भी
वित्त प्राप्त होगा।

→ इससे राजनीति में व्याप्त नयी
अर्थव्यवस्था का प्रचलन समाप्त होगा।

↳ धन बोधन पर लगान लगेगी

शुद्धाचार के
उपलक्ष्य धन

शोधित
धन

राजनीतिक वित्तपोषण

पुरीतियाँ

94% धन सत्ता पक्ष को
मिला (2017 में)

↳ छोटे राजनीतिक दलों के वस्तित्व
पर धरना

↳ उन्हें धन उपलब्ध नहीं हो
पा रहा है।

सत्ता पक्ष यह जान सकती है कि
मिलने विल राजनीतिक दलों को
धन उपान किया है।

↳ लोकतंत्र के लिए अधिक नहीं।

कंपनी पहले अपने लाभ का
7.5% ही दान दे सकती थी

↳ यह लीमा हटा दी गयी।

↳ सलाह पक्ष को लाभ होने
की संभावना।

विदेशी वित्त पोषण के कारण

विदेशी हस्तक्षेप की संभावना।

धन उसे ही प्राप्त होगा

↳ जिसने पिछले चुनाव में 1%।

वोट प्राप्त किया है, यह उचित नहीं
है।

डांगे की तरह पारदर्शिता करें।

↳ RTI के सुधीन साथ।

↳ सभी राजनीतिक दलों को समान
रूप से वित्तपोषण होना चाहिए।

8

मुकास बहुत
अच्छा है।
निरंतर
उत्तर लेखन का
अभ्यास
करते रहे

18.

"राज्यपाल का कार्य यह देखना है कि सरकार का गठन हो, न कि सरकार के गठन का प्रयास।" व्याख्या करें।

(250 शब्द) 15

"The task of the Governor is to see that a government is formed and not to try to form a government". Explain.

(250 words) 15

उम्मीदवार को इस
हासिल में नतीजा
प्राप्त है।
(Candidate must not
write on this margin)

और पूर्ण की
भूमिका के
सब उत्तर
लिखने का
प्रयास कीजिए

विगत कुछ वर्षों में राज्यपाल
का पद विवाद का मुद्दा बन गया
है। राज्यपाल के पद का संबंध
संवैधानिक - 155 में किया गया है।

वर्तमान में राज्यपाल सरकार के
गठन के प्रयास में संलग्न हैं।

① मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र में पक्षपात
का आरोप

↳ इस पद की तलाक कानून
का न्यौता जिसे दूसरे नम्बर की
दूसरे स्थान पर है।

② कर्नाटक में बिना वशुगत प्राप्ति
की मुख्यमंत्री नियुक्त करना।

राज्यपाल की श्रमिका

- बहुमत प्राप्त दल के नेता को मुख्यमंत्री नियुक्त करना।
- मुख्यमंत्री के कहने पर अन्य मंत्रियों की नियुक्ति करना।
- यदि किसी भी दल को बहुमत प्राप्त नहीं है तो गठबंधन वाले दल के नेता को मुख्यमंत्री नियुक्त करना।

उम्मीदवार को इस
दरिजे में नहीं लिखना
चाहिये।
(Candidate must not
write on this margin)

सबसे बड़े

पुनर्निर्वाह

केन्द्र सरकार द्वारा राज्यपाल की नियुक्ति में मुख्यमंत्री से सिफारिश न करना

- स्वविवेक का प्रयोग स्वेच्छा से करना
- नवाम देविया कान्ठ
- उपाध्यक्ष - 2016 में अहमदाबाद
- बहुमत प्राप्त न होने पर केन्द्र में सलाह की तर्जुमा।

उम्मीदवार को प्रश्न पत्र में नहीं लिखना चाहिए।
(Candidate must not write on this margin)

केंद्र प्रयास (मरदा 29) विरंतर उत्तर लेखन का अभ्यास करते रहे।

सकलिया मायोग की अनुशंसा

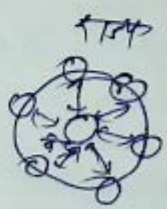
- सक्रिय राजनीतिक व्यक्ति को राज्यपाल न नियुक्त किया जाए।
- केन्द्र सरकार द्वारा अपने राजनीतिक दल से संबंधित व्यक्ति को राज्यपाल न नियुक्त नहीं करना चाहिए।

रुस आर बोम्बई केस में न्यायालय ने

कहा कि राज्यपाल द्वारा गंभीर परिस्थितियों में ही राष्ट्रपति शासन लगाने की सिफारिश करनी चाहिए।

आविष्क की एग्रीवि

- सहकारी संघवाद को बढ़ावा देना
- शक्ति संतुलन को सुनिश्चित करना
- मुख्यमंत्री से ललाह लेक राज्यपाल की नियुक्ति।



निष्कर्ष के साथ उत्तर लिखने का प्रयास कीजिए

7 1/2

19. निवास आधारित रोजगार कोटा को अपनाने वाले राज्यों की हालिया प्रवृत्ति का आप किस प्रकार विश्लेषण करेंगे? निवास आधारित आरक्षण की संवैधानिकता को भी जाँच कीजिये। (250 शब्द) 15
- How do you analyse the recent trend of states going for domicile based employment quota? Also examine the constitutionality of domicile reservations. (250 words) 15

उम्मीदवार को इन
हाशिये में पढ़ी लिखनी
पड़िये।

(Candidate must not
write on this margin)

हाल ही में हरियाणा ने राज्य के निवासियों को निजी क्षेत्रों में 75% आरक्षण प्रदान किया। यही स्थिति मध्य प्रदेश एवं झारखण्ड प्रदेश में भी देखी जाती है।

कारणपरक परिणाम

- राज्य के लोगों के प्रति सरकार के कर्तव्य।
- बेरोजगारी की बढ़ती दरें।
- कृषि क्षेत्रों पर रूझोगों का लगना।
 - ↳ इससे किसानों में बेरोजगारी हीनी
 - ↳ रूझोग से रोजगार की माँग बढ़ेगी।
- प्रवास की बढ़ती दर।

कारणपरक परिणाम

- इन माँफ्ड इवेंट्स बिजनेस प्रभावित होगा।

क्षेत्रवाद की बढ़ती प्रवृत्ति।

असमान विकास (क्षेत्रीय असमानता)
के समझ नहीं चुती।

↳ जति ^{के लोगों} UP, बिहार का डिन्की

हुकई की मोर विस्थापन

↳ काणि घूल विकास में
रोजगार नहीं।

कंपनी को आवश्यक एवं योग्य
मानव संसाधन प्राप्त करने में
कठिनाई।

संवैधानिक चुनौतियाँ

↳ संविधान के अनुच्छेद 16
में इस बात का उल्लेख है कि
निवास के आधार पर रोजगार
का प्राप्ति केवल संसद
द्वारा किया जा सकता है, राज्य

द्वारा नहीं। ऐसे में यह संशोधन
याचिका समीक्षा के आवेदन हैं

↳ 75% आरक्षण विधी
क्षेत्रों में दियाना में

आगे की राह

↳ क्षेत्रवाद की यह प्रवृत्ति रोकना
चाहिये

↳ सार्विक अवसरों की उपलब्धता
सभी क्षेत्रों में हो।

↳ राजकीय तिरु लाभ के इद्देश्य के
निर्वाप राष्ट्र की संपन्नता के
समक्ष पुनौती

↳ इसके लिये पर राज्य की
केन्द्रित प्रशिक्षण एवं वित्तीय
सहायता पर जोर देना चाहिये।

7 1/2

बहुत
पुष्पक अर्थात्
है।
निरंतर
उत्तर लेखन
का मञ्ज्यास
करते रहे।

पुष्पक
निरंतर
उत्तर लेखन
की निश्च
के सब
का प्रयास

20.

क्या सभी बड़े शहरों में सीधे निर्वाचित और सशक्त मेयर होने चाहिये? टिप्पणी कीजिये। (250 शब्द) 15
Should there be directly elected and empowered mayors in all big cities? Comment. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस
प्रश्न में नतीजा
लिखना है।

(Candidate must not
write on this margin)

नए संविधान संशोधन द्वारा
शहरी क्षेत्रों में लोकतांत्रिक विभेदिकता
किया गया।

सीधे निर्वाचित और सशक्त
मेयर की प्रासंगिकता

- ① जनता के सशक्त प्रत्यक्ष उत्तरदायित्व
की भावना।
- ② जनता अपनी प्रतिनिधि से प्रत्यक्ष
संवाद कर लेगी।
- ③ प्रतिनिधियों की जवाबदेहिता एवं
जिम्मेदारी पुनर्निश्चित होगी।
- ④ कार्यक्रम क्रिया-कर्म एवं व्युत्पादन
में जनता की सहभागिता
- ⑤ SDG-11 को प्राप्त करने में बाधा
बदना।

6) निर्वाचित व्यक्ति को जनता का
सहयोग प्राप्त होगा

↳ नागरिक केन्द्रित वास्तव की
नींव पड़ेगी।

7) शहर का प्रत्येक वर्ग प्रहिला,
प्रोत्साहन, दिव्यांग का प्रतिनिधित्व।

पुनर्जाती व्यप होने
निर्वाचन में बने वाली धन
वित्तीय

↳ ग्रामीण क्षेत्रों में पंचायत के चुनाव
के लिए आहुतव

- ↳ कच्चे शराब का सेवन।
- ↳ हिंसा।
- ↳ खरा स्ट्रॉम्प की समस्या।
- ↳ धन का दुरुपयोग
- ↳ पीतादाल सूची से डेड्डाड



मांडल उत्तर
की मदद से
और प्रश्नकी
उत्तर लिखने
का प्रयास
कीजिए

प्रशास संतोषजनक
है।
विषय-वस्तु की
समझ और
बेहतर कर
निर्धारित शब्द
सीमा को पूरा
करते हुए
निष्कर्ष के
साथ उत्तर
लिखने का
प्रयास कीजिए।

→ राष्ट्र 2 दिन तक की मुझे
→ ~~क्रियेय सामंजस्य~~ सत्री वर्गों की
शांतिदायी।

भागों की तरह

→ एक लक्षित का गन्त
हो → विजाकिद्ध, भीड़ियानर्मी ले
ये सुझाव दे।

→ जनता को सुझाव आमंत्रण।
→ निर्णय में पारदर्शिता

6